हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार

मेट्रो सिटी

नागपुर, शुक्रवार, 12 सितंबर 2025

स्ट्रीट वेंडर्स के खिलाफ अन्याय पर जन बदलाव का महाआंदोलन तेज

> 18 सितंबर को एनएसी आयुक्त का घेराव

नागपुर.

नागपुर महानगर पालिका की कथित भ्रष्ट और अवैध कार्रवाइयों के खिलाफ स्ट्रीट वेंडर्स का संघर्ष अब निर्णायक मोड़ पर पहुँच गया है। जन बदलाव संगठन ने मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि एनएमसी नियमों की आड़ में गरीब वेंडर्स को सड़क से हटाकर बिल्डर्स को फायदा पहुंचा रही है।

जन बदलाव के संयोजक यश गौरखेडे ने बताया कि नागपुर में लगभग 70,000 से अधिक फुटपाथ विक्रेता जीविका चलाते हैं, लेकिन एनएमसी ने अब तक केवल 1,126 वेंडर्स को ही लाइसेंस प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा बिना सूचना के वेंडर्स का सामान जब्त कर लिया जाता है और फिर रिश्वत के आधार पर उसे लौटाया जाता है। "जो वेंडर रिश्वत देता है, उसका सामान वापस कर दिया जाता है, जबकि अन्य का नष्ट कर दिया जाता है," गौरखेडे ने कहा।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महल, जयताला, सीताबर्डी, गोकुलपेठ और खामला जैसे प्रमुख हॉकिंग जोन अब पीपीपी मॉडल के तहत बिल्डर्स को सौंप दिए जा रहे हैं, जिससे हजारों वेंडर्स का रोजगार खतरे में पड़ गया है।

आंदोलन की रणनीति : जन बदलाव ने "रोजगार बचाओ यात्रा" शुरू की है और वेंडर्स के लोकतांत्रिक चुनाव कर नया हॉकर्स यूनियन गठित किया गया है। संगठन ने एमएमसी और जिला प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि तुरंत स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट 2014 लागू नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

प्रमुख मांगें

1. **सभी वेंडर्स का पारदर्शी सर्वेक्षण कर लाइसेंस जारी किया जाए।**
2. **उचित वेंडिंग जोन का निर्माण किया जाए।**
3. **जब्ती और रिश्वतखोरी की प्रथा पर रोक लगे।**
4. **भ्रष्ट एनएमसी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो।**
5. **हटाए गए वेंडर्स को मुआवजा और रोजगार के विकल्प दिए जाएं।**

18 सितंबर को होगा घेराव : संगठन ने घोषणा की कि 18 सितंबर 2025 को दोपहर 12 बजे एनएमसी आयुक्त का घेराव किया जाएगा। गौरखेडे ने कहा, "यह केवल वेंडर्स की लड़ाई नहीं है, बल्कि संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का आंदोलन है।" प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौरखेडे के साथ करण चिपाटे, मोहम्मद इरफ़ान, कविता धीर, मनीष गायकवाड़, अच्छे लाल पटेल, शुभम कुसुम्बे, शुभम डहाके, सुनील कांबले, मंजिशा पाटिल, ममता डेनेगें, अक्षय गोनें, जयकुमार बकसरे, शेख वसीम, निशा शाहू समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। नागपुर में स्ट्रीट वेंडर्स का यह आंदोलन अब व्यापक रूप ले चुका है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन उनकी मांगों पर कार्रवाई करता है या संघर्ष और तेज होता है।

नागपुर नगर निगम का 'मिशन रेबीज' अभियान

325 आवारा कुत्तों का टीकाकरण संपन्न

नागपुर.

नागपुर महानगरपालिका द्वारा आवारा कुत्तों की नसबंदी और रेबीज-रोधी टीकाकरण के लिए चलाए जा रहे 'मिशन रेबीज' अभियान को नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। 1 सितंबर से 8 सितंबर 2025 तक इस अभियान के अंतर्गत 325 कुत्तों का रेबीज-रोधी टीकाकरण किया जा चुका है। यह अभियान 28 सितंबर तक जारी रहेगा।

महानगरपालिका आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी के मार्गदर्शन और अतिरिक्त आयुक्त श्रीमती वसुमना पंत की देखरेख में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य शहर में आवारा श्वानों की संख्या पर नियंत्रण रखना और नागरिकों को रेबीज जैसी खतरनाक बीमारी से सुरक्षित करना है।

यह सामूहिक टीकाकरण मोहीम वर्ल्ड वाईड वेटरनरी सर्विसेस होप, मिशन रेबीज, निर्मिती पीपल्स एंड एनिमल वेलफेयर सोसायटी, नागपुर के सहयोग से शुरू की गई है।

इसमें डब्ल्यूडब्ल्यूवीएस की ओर से डॉक्टर, सहायक और वैक्सीन उपलब्ध कराए गए हैं, जबकि महानगरपालिका ने वाहनों और मानवबल की व्यवस्था की है। यह पहला अवसर है जब इतने बड़े पैमाने पर आवारा कुत्तों का सामूहिक टीकाकरण नागपुर में किया जा रहा है।

इसके अलावा, नगर निगम के ज़ोन 1 से 10 तक के क्षेत्रों में बीमार, दुर्घटनाग्रस्त, आक्रामक और काटने वाले कुत्तों के प्रबंधन के लिए विशेष वाहन की व्यवस्था की गई है। इनके उपचार और देखभाल के लिए भांडेवाड़ी, गोरेवाड़ा और महाराजबाग में पशु आश्रय केंद्र बनाए गए हैं। उपचार के बाद कुत्तों को उनकी मूल जगह पर छोड़ दिया जाता है।

नागपुर महानगरपालिका ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सहयोग करें ताकि शहर को रेबीज मुक्त बनाने का लक्ष्य सफल हो सके।

तलवार की नोक पर 15 वर्षीय नाबालिग का अपहरण

नागपुर.

शहर के गणेशपेठ थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहाँ एक 18 वर्षीय युवक ने आधी रात को एक घर में घुसकर 15 वर्षीय नाबालिग लड़की का तलवार की नोक पर अपहरण कर लिया। हालांकि पुलिस की सतर्कता और तुरंत एक्शन की वजह से आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बच्ची को भी सुरक्षित छुड़वाया गया है।

आरोपी अमित मनोज सोनटक्के है जिसका नाबालिग से पहले का परिचय था। कुछ समय पहले दोनों के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद लड़की ने आरोपी के खिलाफ प्रताप नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसी बात से नाराज होकर आरोपी ने यह कदम उठाया। 10 सितंबर की रात करीब 2 बजे, आरोपी अमित तलवार लेकर लड़की के घर पहुँचा। उसने दरवाजा खटखटाया और जब लड़की की 64 वर्षीय दादी ने दरवाजा खोला, तो आरोपी ने उन्हें तलवार दिखाकर धमकाया और जबरन घर में घुस गया। उसने सो रही नाबालिग को उठाया और उससे शादी करने की जिद की। विरोध करने पर आरोपी ने लड़की का गला दबाया और तलवार गले पर रखकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद वह उसे जबरन अपने साथ ले गया। पीड़िता की दादी की शिकायत पर गणेशपेठ थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने अपहरण, घर में घुसपैठ, धमकी, विनयभंग और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी अमित सोनटक्के को हिरासत में ले लिया है। आगे की जाँच जारी है।

दिव्यांग सर्वेक्षण पूरा, वंचित दिव्यांगों के लिए यूडीआईडी कार्ड बनाने हेतु 'एसओपी' तैयार करने के निर्देश

नागपुर.

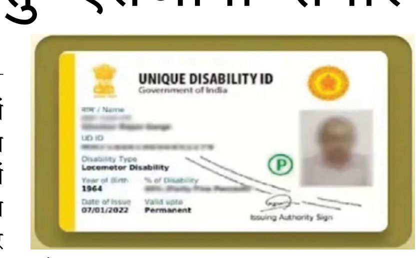

नागपुर महानगरपालिका (एनएमसी) द्वारा दिव्यांगों का एकत्रित डाटा संकलित करने के लिए महात्मा गांधी सेवा संघ के माध्यम से आशा सेविकाओं द्वारा विशेष सर्वेक्षण कराया गया था। यह सर्वेक्षण अब पूरा हो चुका है और उसकी रिपोर्ट गुरुवार (11 सितंबर) को मनपा आयुक्त तथा प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी को सौंपी गई। इस अवसर पर आयुक्त ने बिना यूडीआईडी कार्ड वाले दिव्यांगों के लिए त्वरित रूप से एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त आयुक्त वसुमना पंत, वैष्णवी बी., उपायुक्त डॉ. रंजना लाडे, वैद्यकीय आरोग्य अधिकारी डॉ. दीपक सेलोकर सहित कई अधिकारी उपस्थित थे। वहीं महात्मा गांधी सेवा संघ की ओर से विजय कान्हेकर ने सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस चर्चा में शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय, इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, डागा अस्पताल तथा सीआरसी नागपुर के वरिष्ठ डॉक्टर और अधिकारी भी शामिल हुए। मनपा की आशा सेविकाओं ने अप्रैल से जून 2025 के बीच शहर के 10 जोनों में घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया। इसमें 5 लाख 20 हजार 360 घरों की जानकारी जुटाई गई और लगभग 92 हजार दिव्यांगों की पहचान की गई। रिपोर्ट के अनुसार 14,916 दिव्यांगों के पास आधार कार्ड तो है, लेकिन करीब 70,884 संभावित दिव्यांगों के पास यूडीआईडी कार्ड नहीं है। कई लोग मतदाता कार्ड, बैंक खाता और अन्य सरकारी योजनाओं से भी वंचित पाए गए।

चूंकि शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए यूडीआईडी कार्ड अनिवार्य है, इसलिए आयुक्त ने इस कार्य को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। 40% से अधिक दिव्यांगता वाले तथा युवा दिव्यांगों को पहले यूडीआईडी कार्ड उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय का सहयोग लिया जाएगा।

साथ ही दिव्यांगों को संजय गांधी पेंशन योजना और अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए विभागवार अधिकारियों की एक समिति गठित करने की भी घोषणा की गई। वंचित दिव्यांगों को नजदीकी आधार केंद्रों की जानकारी एसएमएस से देने, मतदाता कार्ड हेतु जिलाधिकारी कार्यालय के साथ समन्वय बनाने और सीआरसी के माध्यम से सहायक उपकरण उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई।

डॉ. अभिजीत चौधरी ने आश्वासन दिया कि नगर निगम की ओर से सीआरसी को पूरा सहयोग मिलेगा और इसके लिए बजट में प्रावधान भी किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि दिव्यांगों को सभी योजनाओं और सेवाओं का लाभ एक ही जगह उपलब्ध कराने के लिए वन स्टॉप सेंटर स्थापित करना समय की आवश्यकता है और इस दिशा में शीघ्र कार्यवाही की जाएगी।

> नागपुर में बड़े निवेश की घोषणा

विदर्भ का औद्योगिक विकास होगा तेज

नागपुर. विदर्भ और खासकर नागपुर जिले के विकास को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अडानी समूह और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने विदर्भ में बड़े निवेश की घोषणा की, जिससे क्षेत्र के औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने जानकारी दी कि अडानी समूह विदर्भ में कुल 70,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। हालांकि, इस निवेश का क्षेत्र अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने नागपुर जिले के काटोल में 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से एक फूड पार्क बनाने की घोषणा की है। इस फूड पार्क से कृषि क्षेत्र को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है, क्योंकि इससे किसानों की उपज को उचित बाजार मिलेगा और उनकी आमदनी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि इन निवेशों से विदर्भ में औद्योगिक माहौल मजबूत होगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने सभी उद्योगपतियों को क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और स्थानीय विकास में योगदान देने के लिए आमंत्रित किया। विदर्भ के नागरिकों और किसानों के लिए यह निवेश बड़े सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है, जो क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सरकार के वादे निकले झूठे, किसान जिंदगी की लड़ाई लड़ रहा: अनिल देशमुख

नागपुर.

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री और राकांपा (शरद पवार गुट) के वरिष्ठ नेता अनिल देशमुख ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को खुला पत्र लिखकर सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आए एक साल बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। देशमुख ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों पर तुरंत निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि काटोल और नरखेड़ तहसील में बीते एक साल में 9 किसानों ने आत्महत्या की है, जो सरकार की नाकामी को उजागर करता है।

देशमुख की दो प्रमुख मांगें

1. किसानों की संपूर्ण कर्जमाफी का वादा तुरंत लागू किया जाए।
2. शहरी नक्सलवाद खत्म करने के नाम पर लागू जन सुरक्षा कानून को रद्द किया जाए।

पूर्व गृहमंत्री ने आरोप लगाया कि इस कानून से छात्रों, पत्रकारों, किसानों और आम नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकार खतरे में हैं तथा विपक्ष की आवाज दबाने का खतरा बढ़ गया है। देशमुख ने कहा, "फसल का उचित भाव नहीं मिलता, उत्पादन लागत भी नहीं निकलती और कर्ज का बोझ दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। सरकार की वादाख़िलाफी ने किसानों को आत्महत्या की कगार पर ला खड़ा किया है। यदि सरकार सचमुच किसानों की हितैषी है तो तत्काल कर्जमाफी लागू करे।" उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में यह किसानों के लिए निर्णायक घड़ी होगी और सरकार ने यदि तुरंत कदम नहीं उठाए तो संघर्ष और उग्र रूप लेगा।

युवा पीढ़ी में आत्महत्या की बढ़ती दर चिंता का विषय: मुकेश झरबडे

नागपुर.

युवाओं में आत्महत्या के मामलों में लगातार बढ़ोतरी समाज के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। इस पर मुकेश झरबडे का कहना है कि यदि युवाओं को आत्मघाती विचारों से बचाना है, तो स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक रोग निदान और उपचार अभियान की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि आत्महत्या किसी अनमोल जीवन को खुद से मिटा देने जैसा है। ऐसे विचार एकाएक किसी के दिमाग में नहीं आते। जब कोई व्यक्ति बहुत परेशान, उदास या चिंतित होता है, तो उसके आसपास के लोग—दोस्त, माता-पिता या परिवार के सदस्य—की जिम्मेदारी होती है कि वे उसकी भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक जरूरतों का ध्यान रखें।

मुकेश झरबडे ने आगे कहा कि यदि जीवन में कोई निराशा या संकट आता है, तो मित्रों और परिवार से बात करके समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। आत्महत्या से समस्याओं का हल नहीं होता, बल्कि यह जीवन की खूबसूरती और अवसरों को खत्म कर देती है। इसके अलावा, यह परिजनों के लिए भी मानसिक पीड़ा और आघात छोड़ जाती है।

इस गंभीर मुद्दे पर उन्होंने सुझाव दिया कि हर स्कूल और कॉलेज को 12 से 20 वर्ष के छात्रों के लिए मानसिक नैराश्य के निदान और उपचार अभियान शुरू करना चाहिए। इससे छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य और उसकी चुनौतियों के बारे में जागरूकता मिलेगी और वे बेहतर तरीके से कठिनाइयों का सामना कर सकेंगे। मुकेश झरबडे ने इस अभियान की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि यह कदम युवाओं की मानसिक सेहत के लिए अत्यंत आवश्यक है।

नाबालिग पर अत्याचार : निषाद पार्टी, भोई समाज ने की कार्रवाई की मांग

नागपुर.

एक नाबालिग बच्ची के साथ कथित तौर पर हुए अत्याचार की घटना ने पूरे महाराष्ट्र में आक्रोश फैला दिया है। निषाद पार्टी, भोई समाज पंच कमेटी, और कहार माझी रायकवार महास्तंभ ने एकजुट होकर इस जघन्य अपराध के आरोपी तोहित समीर के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग की है। समाज का कहना है कि यदि पुलिस ने जल्द और उचित कार्रवाई नहीं की तो वे सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस मांग को लेकर इन सभी संगठनों ने नागपुर के जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा है।

इस ज्ञापन को सौंपते समय निषाद पार्टी विदर्भ के अध्यक्ष राहुल जी गौर, किशोर करतार, अजय गौर, नोखेलाल गौर, मनीष बाथो, सुग्रीव सहानी, मनोज बावणे, कला नायक, सीमा गौर, यजविंदर गौर, ज्योती गौर, संगीता बाथो और शशिकला गौर सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि ऐसे घिनौने अपराध करने वालों को तुरंत गिरफ्तार कर उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए और उन्हें ऐसी सजा मिलनी चाहिए जो भविष्य में किसी और को ऐसा करने से रोके। समाज का मानना है कि बच्ची को तभी न्याय मिलेगा जब अपराधी को फांसी की सजा दी जाए। यह घटना भोई समाज के लिए एक बड़ा मुद्दा बन गई है, जो अपनी बच्ची के लिए न्याय पाने तक शांत नहीं बैठेंगे।

नागपुर शहर में ठप पड़े अधिकांश सीसीटीवी कैमरे

नागपुर.

शहर की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। करोड़ों रुपये खर्च कर लगाए गए सीओसी के सीसीटीवी कैमरे ज्यादातर बंद पड़े हैं। इसी का नतीजा बुधवार रात कड़वी चौक पर उस समय सामने आया, जब बदमाशों ने एक व्यापारी को गोली मारकर 50 लाख रुपये लूट लिए। वारदात के बाद जब पुलिस ने जांच शुरू की, तो पता चला कि घटनास्थल के आसपास करीब 80 प्रतिशत कैमरे काम ही नहीं कर रहे थे।

बुधवार देर रात कड़वी चौक पर व्यापारी राजू दीपनी पर बदमाशों ने फायरिंग की और उनके पास मौजूद 50 लाख रुपये लूट लिए। गोली लगने से घायल राजू को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। लेकिन इस सनसनीखेज वारदात ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। पुलिस जांच में सामने आया कि कामठी रोड पर लगे करीब 80 प्रतिशत सीसीटीवी कैमरे बंद थे। अपराधियों ने इसी का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया।

शहर की सुरक्षा के लिए 3600 कैमरे लगाए गए थे, लेकिन इनमें से ज्यादातर काम नहीं कर रहे। इससे अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। पुलिस को अब अपने खबरियों और गुप्त सूचना पर ही निर्भर रहना पड़ रहा है। शहर में विकास कार्यों के चलते बड़ी संख्या में कैमरे ठप हो गए हैं। हालांकि खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पालक मंत्री ने नाराज़गी जताते हुए पुरानी कंपनी एलएंडटी को हटाकर नई कंपनी को जिम्मेदारी सौंपी, लेकिन हालात सुधरने की बजाय और बिगड़ते जा रहे हैं।

आखिर कौन देगा सुरक्षा की गारंटी?

फिलहाल प्रशासन का कहना है कि कैमरों की अस्थायी मरम्मत जारी है, लेकिन स्थायी समाधान अब तक तय नहीं हो पाया है। सवाल ये है कि जब करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी शहर की तीसरी आंख बंद पड़ी हो, तो नागपुर के नागरिकों की सुरक्षा की गारंटी आखिर कौन देगा?

कोई भी इंसान रातों-रात अमीर नहीं बनता: निलेश पटे

नागपुर.

युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की घटनाओं को लेकर वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व नगरसेवक निलेश पटे ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि "कोई भी इंसान रातों-रात अमीर नहीं बनता।" पटे ने बताया कि आज के युवा बिना मेहनत किए जल्दी अमीर बनने और नाम कमाने की चाहत में हवामहल जैसी सोच विकसित कर लेते हैं। इसी के चलते वे आईपीएल, पबजी, ड्रीम इलेवन जैसे चक्रव्यूह में फँसते जा रहे हैं। जब इनसे अपेक्षित सफलता नहीं मिलती तो वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं और कभी-कभी आत्मघाती कदम उठाने तक पहुँच जाते हैं।

उन्होंने कहा कि अमीरी और गरीबी जीवन के दो पहलू हैं, जिन्हें स्वीकार करना चाहिए।

यदि परिवार और मित्र समय रहते युवाओं को यह समझाएँ और मानसिक सहयोग दें, तो निश्चित ही वे आत्महत्या जैसे कदम उठाने से बच सकते हैं।

पटे ने नागपुर मेट्रो द्वारा इस विषय पर की जा रही जनजागरूकता को "एक सराहनीय पहल" बताया और समाज से भी युवाओं को सही मार्गदर्शन देने की अपील की।

CMYK

आत्महत्या रोकथाम दिवस पर समाजसेवियों के विचार

> आत्महत्या अंतिम विकल्प नहीं: हितेश बनसोड

सावनेर.

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर सावनेर में सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय युवाओं ने आत्महत्या जैसे गंभीर मुद्दे पर अपने विचार व्यक्त किए। हितज्योति फाउंडेशन के संस्थापक एवं समाजसेवी हितेश बनसोड ने कहा कि "आत्महत्या कभी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। यह अंतिम विकल्प नहीं है।"

उन्होंने कहा कि समाज में आत्महत्याओं की बढ़ती घटनाएँ गहरी चिंता का विषय हैं। जिन परिवारों को इस दर्दनाक हादसे से गुजरना पड़ता है, उनका पूरा जीवन बर्बादी की ओर चला जाता है। समय आ गया है कि अभिभावक और युवा इस विषय पर खुलकर चर्चा करें और बच्चों का मनोबल बढ़ाएँ।

बनसोड ने सुझाव दिया कि डिप्रेशन से जूझ रहे युवाओं को मनोचिकित्सकों और काउंसलर्स की मदद लेनी चाहिए। सकारात्मक विचारों और संवाद से उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है।

घटनास्थल पर होने वाले भयावह नज़ारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जब पुलिस और परिजन मृतक का शव निकालते हैं, उस समय का माहौल शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। इसलिए उन्होंने युवाओं और अभिभावकों से अपील की कि जीवन की कठिनाइयों से हार न मानें।

हितेश बनसोड ने कहा – "जीवन में सुख-दुख आते-जाते रहते हैं। बस हिम्मत न हारें, क्योंकि हार के बाद ही जीत है।"

कार्यकारी परिषद सदस्य बने एमएलए मेश्राम

उमरेड. उमरेड विधानसभा क्षेत्र के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विधायक संजय मेश्राम की नागपुर शहर स्थित महाराष्ट्र पशु व मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद पर नामनिर्देशित सदस्य के रूप में नियुक्ति की गई हैं. यह नियुक्ति महाराष्ट्र राज्य विधानसभा सदस्य प्रतिनिधि के रूप में महाराष्ट्र विधिमंडल सचिवालय की ओर से विधानसभा अध्यक्ष के तहत की गई है. विधायक संजय मेश्राम उच्च शिक्षित होकर विधायक के नाते से अल्पकाल में ही विधिमंडल में विविध समस्याओं की पूर्तता के लिए उमरेड विधानसभा क्षेत्र तथा पूरे राज्य के विविध विषय को न्याय देने की भूमिका रखी है. संसदीय लोकशाही के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किया है. इसलिए राज्य सरकार ने महाराष्ट्र पशु व मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय नागपुर के कार्यकारी परिषद पर सदस्य के रूप में नियुक्ति की है.

सावनेर में सड़क हादसा, ट्रक की चपेट में आकर व्यक्ति की मौत

सावनेर.

सावनेर के केलवद थाने के अंतर्गत नरसला-खापा रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान उत्तम जब्बूजी उइके (60), निवासी जोअरवाड़ा, तहसील करंजा, जिला वर्धा के रूप में हुई है। वे अपने साथी शंकर श्रवण आत्राम (25) के साथ मोटरसाइकिल से नरसला-खापा मार्ग से गुजर रहे थे। इस दौरान दोनों लघुशंका के लिए रुके ही थे कि अचानक तेज़ रफ़्तार ट्रक के पिछले पहिए की चपेट में आने से उत्तम उइके की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही सड़क दुर्घटनाओं में सहायता प्रदान करने वाली हितज्योति फाउंडेशन के हितेश बंसोड़ तत्काल मौके पर पहुंचे और केलवद पुलिस की मदद से मृतक एवं घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सावनेर पहुंचाया। जहाँ डॉक्टरों ने उत्तम उइके को मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। केलवद पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जाँच शुरू कर दी है।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर सावनेर में जागरूकता कार्यक्रम

सावनेर.

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर इंडियन मेडिकल असोसिएशन (आईएमए) सावनेर शाखा द्वारा जवाहर कन्या विद्यालय में विशेष जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. परेश ज़ोपे ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. रवि ढवले उपस्थित थे।

अपने मार्गदर्शन में डॉ. ढवले ने छात्रों को आत्महत्या के प्रमुख कारणों, मानसिक तनाव और अवसाद जैसी स्थितियों से उबरने के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि "आत्महत्या किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। जीवन की कठिनाइयों से पार पाने के लिए परिवार का सहयोग, उचित परामर्श और सकारात्मक सोच अत्यंत आवश्यक है।"

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या अटलकर मैडम ने विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आईएमए सावनेर शाखा के इस उपक्रम से विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और उन्हें जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने की प्रेरणा मिलेगी, ऐसा विश्वास आयोजकों ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. स्मिता भूड़े, डॉ. नीलेश कुंभारे, डॉ. शिवम पुनियानी, प्राध्यापकगण एवं छात्र उपस्थित थे। संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. प्रवीण चव्हाण ने किया।

उमरेड शहरवासियों ने मनाया पर्यावरण पूरक गणेशोत्सव

उमरेड.

उमरेड नगर परिषद की पहल पर इस वर्ष गणपति विसर्जन के लिए शहर में पर्यावरण पूरक व्यवस्था अपनाई गई। शहरवासियों के पर्यावरण जागरूक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद ने गणपति विसर्जन हेतु पांच स्थानों पर कृत्रिम तालाबों का निर्माण किया। नगर परिषद ने यह स्पष्ट किया कि शहर के तालाबों का पानी प्रदूषित न हो, इसलिए सभी गणेश भक्तों से कृत्रिम तालाबों में ही मूर्तियों का विसर्जन करने का आह्वान किया गया। गांधीसागर तालाब परिसर में 3, हरा तालाब परिसर में 1, दुर्गा माता मंदिर परिसर में 1, टिपले ले आऊट परिसर में 1 और आशीर्वाद मंगल कार्यालय परिसर में १ कृत्रिम तालाब बनाए गए।

अनंत चतुर्दशी के दिन उमरेड के गणेश भक्तों ने बड़ी संख्या में इन कृत्रिम तालाबों में गणेश मूर्तियों का विसर्जन किया और नगर परिषद प्रशासन के प्रयासों में सहयोग दिया। इस आयोजन में नगर परिषद मुख्याधिकारी कुलभूषण रामटेके के मार्गदर्शन में सभी अधिकारी, कर्मचारी और सफाईकर्मी सक्रिय रूप से शामिल रहे।

निर्माल्य संकलन में गोदरेज फीडबॅक फाउंडेशन की टीम ने भी अपना अनमोल योगदान दिया। इस वर्ष उमरेड शहर में हजार से अधिक गणेश मूर्तियों का विसर्जन कृत्रिम तालाबों में किया गया, जिससे गांधीसागर और हरा तालाब का संरक्षण एवं संवर्धन सुनिश्चित हुआ। नगर परिषद प्रशासन ने इस पर्यावरण जागरूक पहल में सहयोग करने के लिए शहरवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

जीवन अनमोल है, इसे यूं नष्ट न करें: मनोज बसवार

सावनेर.

आज के युवाओं में बढ़ते तनाव और आत्महत्या की घटनाओं को लेकर व्यापारी संघ सावनेर के सचिव तथा युवा समाजसेवी मनोज बसवार ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आजकल युवाओं में सहनशीलता की कमी साफ नज़र आती है। इसका मुख्य कारण बचपन से ही पढ़ाई का अत्यधिक तनाव, पढ़ाई के बाद उचित रोजगार और पैकेज की भागदौड़, व्यवसायिक उतार-चढ़ाव तथा माता-पिता की ऊँची अपेक्षाएँ हैं। यही परिस्थितियाँ युवाओं को अकेलेपन और अवसाद की ओर धकेलती हैं। उन्होंने कहा कि माता-पिता और परिजनों को चाहिए कि वे अपने बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें ताकि वे अपने मन की बातें खुलकर कह सकें। बच्चों को वही करने दें जिसमें उनकी रुचि हो। अपने जीवन के अनुभव साझा करें, जिससे बच्चे अचानक आने वाले संकटों का सामना धैर्य से कर सकें।

बसवार ने कहा कि प्रगतिशील समाज में आए दिन ऐसी घटनाएँ घट रही हैं, जो सोचने पर मजबूर करती हैं। आत्महत्या उनमें से एक बड़ी समस्या है। इसके लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। युवा देश का भविष्य हैं और उनकी सुरक्षा व मार्गदर्शन करना समाज का कर्तव्य है।

उन्होंने युवाओं से अपील की कि किसी भी समस्या का समाधान आत्महत्या नहीं है। हिम्मत से मुश्किलों का सामना करें। परिवार और समाज में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर अपना जीवन उज्ज्वल बनाएं और दूसरों के लिए आदर्श बनें।

संजय गांधी निराधार योजना समिति की पहली बैठक संपन्न

कामठी.

केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के लिए कई वित्तीय सहायता योजनाएं चलाई जाती हैं। इन योजनाओं के लाभार्थियों का चयन करने की जिम्मेदारी तालुका स्तर की संजय गांधी निराधार अनुदान योजना समिति की होती है। इसी सिलसिले में, कामठी तहसील कार्यालय के सभागार में नवनियुक्त समिति की पहली बैठक आयोजित की गई। यह बैठक तहसीलदार गणेश जगदाले के मार्गदर्शन और नायब तहसीलदार सारिका धात्रक की मुख्य उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में संजय गांधी निराधार अनुदान योजना समिति, कामठी के नवनियुक्त अध्यक्ष प्रांजल वाघ और सदस्यों नरेश मोहबे, खेमराज हटवार,

विनोद बावनकुले, चंद्रशेखर तुप्पट, भगवान कोरडे, ऋषी भेंडे, सुभाष धोंडे, और प्रीतम लोहासारवा का फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मान किया गया। नायब तहसीलदार सारिका धात्रक ने योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 65 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए श्रावणबाल योजना, किसानों के लिए इंदिरा गांधी भूमिहीन खेतिहर मजदूर योजना, और विधवाओं, परित्यक्त महिलाओं, अनाथों तथा गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए संजय गांधी स्वावलंबन योजना उपलब्ध है।

चयनित लाभार्थियों को प्रति माह एक हजार रुपये उनके बैंक खाते में जमा किए जाते हैं। इसके अलावा, यदि गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे परिवार के कमाने वाले पुरुष की मृत्यु हो जाती है, तो राष्ट्रीय सामाजिक सहायता योजना के तहत 20 हजार रुपये की सहायता दी जाती है।

उन्होंने समिति से यह आग्रह किया कि वे लाभार्थियों के आवेदनों और दस्तावेजों की पूरी जांच करके न्यायपूर्ण तरीके से लाभ प्रदान करें, और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी योग्य लाभार्थी इस सुविधा से वंचित न रहे। बैठक का प्रस्ताव तहसीलदार गणेश जगदाडे ने रखा, जबकि आभार नायब तहसीलदार सारिका धात्रक ने व्यक्त किया।

सावनेर में फर्जी डॉक्टर खोज समिति की बैठक संपन्न

सावनेर.

जिले में फर्जी या झोलाछाप डॉक्टरों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सावनेर में तहसील स्तरीय फर्जी डॉक्टर खोज समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक दिनांक 09/09/2025 को तहसीलदार सावनेर, मा. अक्षय पोयम की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में निजी चिकित्साकर्मियों के खिलाफ निरीक्षण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। जनता से अपील की गई कि वे फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस

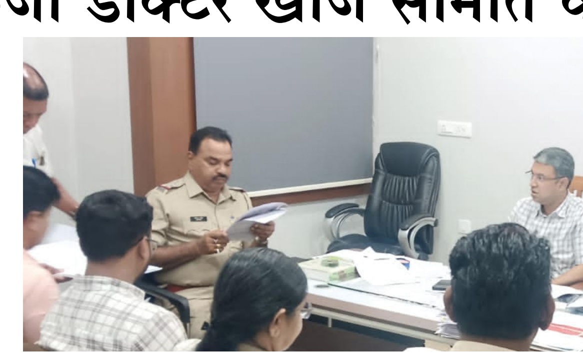

अधीक्षक, सावनेर ने अगली बैठक में ऐसे फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

तालुका स्वास्थ्य अधिकारी सावनेर ने फर्जी डॉक्टरों की पहचान और कार्रवाई के लिए दिशा-निर्देश (एसओपी) पढ़कर सुनाए। साथ ही समिति के सदस्यों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में भी जानकारी दी गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिचोली, पाटनसावंगी, खापा, बड़ेगांव, केलवद और नगर परिषद सावनेर के चिकित्सा अधिकारियों को क्षेत्र में जागरूकता पैदा करने के निर्देश दिए गए। तालुका स्तरीय फर्जी डॉक्टर समिति की बैठक में तहसीलदार अक्षय पोयम, उप-विभागीय पुलिस अधीक्षक पाटिल सर, समूह विकास अधिकारी मनोजकुमार हिरुडकर, डॉ. किरण जाधव, तालुका स्वास्थ्य अधिकारी सावनेर, ज्ञानेश्वर सौंसरे, चिकित्सा अधीक्षक पाटनसावंगी, नगर परिषद सावनेर प्रतिनिधि, सभी चिकित्सा अधिकारी और प्रो. ए. केंद्र उपस्थित थे।

तनाव भरे जीवन से बचें: रमेश घटे

सावनेर. बढ़ते आत्महत्या के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए युवा व्यवसायी तथा जगनाडे पथ संस्था के पूर्व अध्यक्ष रमेश घटे ने कहा कि आज का युवा तनाव भरा जीवन जी रहा है। उन्होंने बताया कि इसके पीछे मुख्य कारण हैं – मोबाइल और सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग, माता-पिता से उचित संवाद का अभाव, घर-स्कूल-कॉलेज और रोजगार से जुड़ी समस्याएँ, जिन्हें आपस में साझा न करने की प्रवृत्ति। यही बातें युवाओं के मन में तनाव और निराशा पैदा करती हैं और धीरे-धीरे यह स्थिति अवसाद का रूप लेकर उन्हें आत्मघाती कदम उठाने पर मजबूर कर देती है। घटे ने सुझाव दिया कि परिजनों को चाहिए कि वे बच्चों से खुलकर बातचीत करें, उनकी पसंद-नापसंद का ध्यान रखें और यदि बच्चा किसी बुरी आदत या मानसिक परेशानी का शिकार हो रहा है तो तुरंत अच्छे डॉक्टर या मनोचिकित्सक से परामर्श लें। उन्होंने कहा कि बच्चों के मन में पनप रही गलत धारणाओं या आत्मघाती विचारों को दूर करने के लिए मेडिटेशन, योग और प्राणायाम का सहारा लेना भी बेहद ज़रूरी है। ऐसा करने से समाज में आत्महत्या जैसी घटनाओं में निश्चित रूप से कमी लाई जा सकती है।

महान स्वतंत्रता सेनानी नरवीर चिंतामणराव तिड़के की स्मृति में कथाकथन स्पर्धा संपन्न

एकता छाजेड़ अव्वल, वामिका सोनी द्वितीय

पारशिवनी.

स्थानीय पाऊलवाट फाउंडेशन, पारशिवनी द्वारा आयोजित महान स्वतंत्रता सेनानी नरवीर चिंतामणराव तिडके की स्मृति में तहसील स्तरीय कथाकथन स्पर्धा मंगलवार, 9 सितंबर को सरोजनी पब्लिक स्कूल, पारशिवनी में संपन्न हुई।

स्पर्धा का शुभारंभ स्कूल की प्राचार्या सिबी चेरीयाचन के कर कमलों द्वारा किया गया। स्पर्धा में हरिहर विद्यालय पारशिवनी, नव प्रतिभा विद्यालय दहेगाव जोशी, केसरीमल पालीवाल विद्यालय पारशिवनी, लालबहादूर शास्त्री विद्यालय बाबुळवाडा, राणी लक्ष्मीबाई विद्यालय पारशिवनी और सरोजनी पब्लिक स्कूल पारशिवनी के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में शामिल स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन परिचय और उनके योगदान पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की। स्पर्धा के निर्णायक सेवानिवृत्त उप-प्रधानाध्यापिका पुष्पा पालीवाल और राजेश सावरकर रहे। विजेताओं को पारशिवनी ठाणेदार राजेश कुमार थोरात, सचिव सर्वोदय आश्रम नागपुर एड. वंदन गडकरी, अध्यक्ष

संस्कार परिवार नागपुर अरुण देशपांडे गुरुजी, सेवानिवृत्त कोषागार संचालक भारती झाडे, सरोजनी पब्लिक स्कूल प्राचार्या सिबी चेरीयाचन और सामाजिक कार्यकर्ता दिवाकर भोयर के हाथों नगद इनाम, सन्मान चिन्ह और प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन स्पर्धा संयोजक खुशल कापसे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन पाऊलवाट फाउंडेशन अध्यक्ष प्रा. चेतक इटनकर ने किया। स्पर्धा को सफल बनाने में रुपेश खंडारे, देवानंद शेंडे, राजेश नंदेश्वर, कपील मोटघरे, बबलू कामडे और प्रवीण बोरसरे का सहयोग रहा। स्पर्धा में बच्चों की प्रस्तुतियों ने स्वतंत्रता सेनानियों की वीरता और देशभक्ति की स्मृति को जीवंत किया।

अवैध देशी शराब के दो साथ बाइक सवार आरोपी हिरासत में

50840 रुपये का माल जब्त

कोंढाली. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अवैध देशी शराब की तस्करी कर रहे दो आरोपियों को धर-दबोचा। इस कार्रवाई में पुलिस ने शराब और वाहन दोनों जप्त किए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस स्टेशन को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध रूप से देशी शराब की ढुलाई की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने मौजा दुधाला बस स्टॉप पर नाकाबंदी की। कुछ ही देर बाद, स्प्लेंडर मोटरसाइकिल आते हुए दिखाई दी। पुलिस ने मौके पर मौजूद पंचों की उपस्थिति में वाहन की तलाशी ली, जिसमें देशी शराब बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, वाहन चालक बंडू शेषराव फलके (40 वर्ष, निवासी पांजरा) था। पूछताछ में उसने बताया कि वह यह अवैध शराब नरसिंग मुलचंद जाधव (निवासी माहुरखोरा) के कहने पर ढो रहा था। घटनास्थल के पंचनामे के अनुसार, पुलिस ने 24 निप देशी शराब (मूल्य ₹ 840) और स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (मूल्य ₹50,000) जब्त की। कुल माल की कीमत ₹ 50,840 है। दोनों आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र दारूबंदी अधिनियम के अंतर्गत पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

सावनेर में सर्पमित्रों ने विषैले कोबरा सांप को बचाया

सावनेर. सावनेर पुलिस स्टेशन के पास मंगलवार रात लगभग 9:45 बजे एक विषैला कोबरा सांप देखा गया। सूचना पाकर सर्पमित्र मोहित बारस्कर तुरंत सक्रिय हो गए और अपने सहयोगी प्रवीण वाघाड़े को थाने बुलाया। प्रवीण वाघाड़े, भूषण घोड़से और सुनील मानकर घटनास्थल पर पहुंचे और बिना समय गंवाए सांप को पकड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ने में सफल रहे। इन सर्पमित्रों ने पिछले सात वर्षों में हजारों सांपों की जान बचाई है। भारत में विभिन्न प्रकार के सांप पाए जाते हैं—जहरीले, अर्ध-जहरीले और विषहीन। हमारे क्षेत्र में मुख्य रूप से चार जहरीले सांप पाए जाते हैं: नाग (कोबरा), मान्यार (कॉमन क्रेट), घोनस (रसेल्स वाइपर) और फर्स (स्वास्किल्ड वाइपर)। अर्ध-जहरीले सांपों में मांजरा और धारीदार रेत में पाए जाने वाले सांप शामिल हैं। विषहीन सांपों में धामन, कावड्या, कुकरी, नानेटी और अजगर प्रमुख हैं।

बाघ ने फिर दर्ज कराई ग्रामीण क्षेत्र में अपनी मौजूदगी, किसानों में दहशत

पारशिवनी.

ग्रामीण क्षेत्रों के खेतों में बाघ दिखाई देने से स्थानीय किसानों और मजदूरों में डर का माहौल बना हुआ है। पारशिवनी वन विभाग सीमा के बाबुरवाडा क्षेत्र में दो दिन पहले रितेश भोगे और शयालीक व्यास के खेतों में बाघ के पैरों के निशान देखे गए। बुधवार की सुबह वन विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर जाकर इन निशानों की पुष्टि की।

बाघ के बाबुरवाडा की ओर जाने की आशंका जताई जा रही है। जैसे ही खेतों में बाघ के पंजे के निशान दिखाई दिए, वन विभाग के अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया। वन विभाग की टीम ने घटना स्थल का मुआयना किया और इलाके के किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी।

वन विभाग की टीम बाघ का पता लगाने और उसे खदेड़ने के प्रयास कर रही है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी किसानों और ग्रामीणों को जागरूक रहने के निर्देश दिए गए हैं।

बाघ की दहशत के कारण खेतों में काम करने वाले मजदूर डर के चलते खेतों में जाने से कतरा रहे हैं, जिससे किसानों के खेती-बाड़ी के काम प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द बाघ को खदेड़ने, गश्त बढ़ाने और सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है।

पिछले साल भी इस इलाके में बाघ ने पांच किसानों को अपना शिकार बनाया था, जिसकी वजह से ग्रामीणों में डर अभी भी बना हुआ है। बाघ के फिर से खेत खलियानों में दिखाई देने से किसानों और आम नागरिकों में चिंता बढ़ गई है।

स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द बाघ को पकड़कर इलाके से हटाया जाए, ताकि उनकी और बाघ दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

युवाओं की मानसिकता समझने की जरूरत : उत्तम कापसे

सावनेर. युवाओं को भविष्य का निर्माता माना जाता है, लेकिन आज की स्थिति बेहद चिंताजनक है। घरेलू कलह, तनाव, एकतरफा प्यार और अवसाद जैसी समस्याएँ युवाओं का जीवन छीन रही हैं। शिवसेना (उबाठा) के जिला प्रमुख उत्तम कापसे ने कहा कि समाज को अब युवाओं की मानसिकता को समझने की आवश्यकता है। कापसे ने बताया कि महाराष्ट्र में हर दिन औसतन 13 युवक-युवतियाँ आत्महत्या कर रहे हैं। पिछले वर्ष ही करीब 1,023 आत्महत्याओं का खुलासा हुआ, जिनमें से आधे मामले 18 से 35 वर्ष की आयु वर्ग से जुड़े थे। उन्होंने आगे कहा कि पारिवारिक कलह, श्रमिक वर्ग पर बढ़ता तनाव, पढ़ाई का दबाव, आर्थिक संकट और ससुराल पक्ष से मानसिक प्रताड़ना युवाओं में अवसाद और आत्महत्या के प्रमुख कारण बनते जा रहे हैं।

तहसील स्तरीय अंडर-17 कबड्डी टूर्नामेंट में पोरवाल कॉलेज की जीत

कामठी.

खेल एवं युवा खेल निदेशालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे द्वारा आयोजित तालुका स्तरीय अंडर-17 बालक वर्ग कबड्डी टूर्नामेंट में पोरवाल कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जीत हासिल की। सेठ केसरीमल पोरवाल कॉलेज के मैदान में आयोजित इस टूर्नामेंट में कुल 19 टीमों ने भाग लिया था। पोरवाल कॉलेज ने टूर्नामेंट की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा, पहले मैच में पांडुरंग गावेत विद्यालय को 26 अंकों से और दूसरे मैच में तायवाडे पब्लिक स्कूल को 23.1 अंकों के बड़े अंतर से मात दी। सेमीफाइनल में विद्यामंदिर कोराडी के खिलाफ चार अंकों की करीबी जीत के बाद, टीम का आत्मविश्वास और भी बढ़ गया। फाइनल में पोरवाल कॉलेज का मुकाबला श्रीनाथ विद्यालय के

साथ हुआ। यह एक बेहद रोमांचक और कांटे की टक्कर वाला मैच था, जिसमें पोरवाल कॉलेज ने तीन अंकों के मामूली अंतर से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक जीत के लिए कॉलेज की टीम और कोच, डॉ. मल्लिका नागपुरे की सराहना की जा रही है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. स्वप्निल दहात, उप-प्राचार्य डॉ. सुधीर अग्रवाल और पर्यवेक्षक वी. बी. ने विजेता टीम को बधाई दी। यह जीत न केवल खिलाड़ियों की मेहनत और लगन को दर्शाती है, बल्कि पोरवाल कॉलेज के खेल-कूद के प्रति समर्पण को भी उजागर करती है।

निधन

निधन समाचार के निःशुल्क प्रकाशन हेतु संपर्क करे हमे ई-मेल करे ngpms2019@gmail.com

गिरीश नवलकिशोर दुबे

नागपुर. कॉर्पोरेशन कॉलोनी निवासी गिरीश नवलकिशोर दुबे का 11 सितंबर को 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए है। और अन्य कई परिजन शोकाकुल हैं। उनका अंतिम संस्कार अंबाझरी घाट पर किया गया.

बारिश और बीमारियों से हुए नुकसान में सहायता करें

> विधायक राजेश बकाने ने ज्ञापन में की मांग

देवली.

देवली-पुलगांव विधानसभा क्षेत्र के किसान भारी बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

खासकर सोयाबीन की फसल 'चारकोल रॉट' (जड़ सड़न और तना सड़न) से बड़े पैमाने पर प्रभावित हो रही है, जिससे किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। इस रोग के कारण फसलें पीली पड़ जाती हैं और फलियों में दाने नहीं भरते, जिससे वास्तविक उत्पादन में 50 प्रतिशत से भी अधिक की कमी आ रही है।

इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में 'पीला मोझक' विषाणुजनित रोग का प्रकोप बढ़ रहा है, और यह रोग सफेद मक्खियों के कारण तेज़ी से फैल रहा है। फलिया भरते समय ही इस रोग के फैलने से किसानों की उम्मीदें पूरी तरह से टूट गई हैं।

इस गंभीर स्थिति का संज्ञान लेते हुए, विधायक राजेश बकाने ने मुंबई मंत्रालय में कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे से मुलाकात की और एक ग्यापन सौंपा। इस ग्यापन में उन्होंने प्रभावित किसानों को तत्काल सरकारी सहायता दिलाने, संबंधित विभाग द्वारा तत्काल एक विशेष टीम भेजकर निरीक्षण कराने और पंचनामा बनाकर पीड़ितों को न्याय दिलाने की पुरज़ोर मांग की।

विधायक बकाने ने कहा, 'किसानों के पसीने और आंसुओ की कमाई से सोना बनने वाले सोयाबीन के खेत आज बीमारी के कारण जलकर राख हो रहे हैं। किसान देश का अन्नदाता है और उसे समय पर सहायता मिले, यह सुनिश्चित करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। मैं किसानों के साथ पूरी दृढ़ता से खड़ा हूँ और उन्हें उनकी हक़दार सहायता दिलाने के लिए अंत तक लड़ूंगा.

विधायक बकाने फिर बने किसानों की आवाज़

ये घटनाक्रम राजनीतिक स्तर पर भी महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। कृषक समुदाय के स्तंभ कहे जाने वाले विधायक बकाने ने एक बार फिर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए किसानों की आवाज़ राज्य सरकार तक पहुंचाई है। उनकी यह पहल किसानों के मन में विश्वास जगाने वाली साबित हो रही है और निर्वाचन क्षेत्र के लोगों में उनके नेतृत्व के प्रति सकारात्मक भावनाएँ बढ़ रही हैं।

महाविकास आघाड़ी की विधेयक रद्द करने की मांग

> विश्राम गृह से त्रिमूर्ति चौक तक दिशा-निर्देश जारी किया गया

भंडारा.

भंडारा जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल से "महाराष्ट्र जन सुरक्षा विधेयक 2024" को रद्द करने की मांग की गई है। इस संबंध में आज जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा गया।

प्रत्यावेदन में कहा गया है कि प्रस्तावित विधेयक लोकतंत्र विरोधी है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत गोपनीयता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। ज्ञापन में इस कानून के लागू होने के बाद कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और विरोधी विचार व्यक्त करने वाले नागरिकों पर अनुचित पुलिस नियंत्रण और कार्रवाई की आशंका व्यक्त की गई है।

इससे राज्य में लोकतांत्रिक मूल्यों के हनन और पुलिस राज स्थापित होने का खतरा है। इसलिए ज्ञापन में इस विधेयक को तत्काल रद्द करने और नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने की पुरजोर मांग की गई है।

इस अवसर पर मोहन पंचभाई जिला अध्यक्ष भंडारा जिला कांग्रेस, चरण वाघमारे जिला अध्यक्ष भंडारा जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस, संजय रहपाड़े जिला प्रमुख शिव सेना, हिवराज उके कम्युनिस्ट पार्टी, सदानंद इल्मे ओबीसी मूवमेंट, जिला परिषद अध्यक्ष कविता उइके, प्रदेश महासचिव जिया पटेल, अनिता भूरे, स्वाति वाघाये, नीलिमा रामटेके, शीतल राऊत, पूजा हजारे, मधुकर चौधरी, धनराज सतरावणे, पवन वंजारी, प्यारेलाल वाघमारे, शाहिना खान, लता बावनकुले, निशा सोनकुसरे, सुनंदा घनजोड़े, दिलीप मसूरकर, रिजवान काजी, मयूर जोशी, अरविंद पडोले, योगेश झलके, रिजवान काजी, अजय मेश्राम, नितेश मारवाड़े, नरेंद्र साकुरा, पवन मस्के, अभिजीत वंजारी, जितेश धोंबरे, प्रमोद मनापुरे, प्रकाश पचारे, मधुकर भोपे, प्रशांत वैद्य, कमलाकर श्यामपुरकर, प्रेम वनवे, देवा इल्मे, भाऊ कटोरे, राजेश हटवार, तुलसीदास बिलावने, गोविंद हुकरे, जीतेंद्र रहपड़े, विपिन बोरकर, भगवान नवघरे, पृथ्वी तांडेकर, शम्मू शेख, जय डोंगरे, सुभाष अजबले, बालू थवकर, सुरेश मेश्राम, अमित खोबरागड़े, बालाभस्मे, श्रीकांत बंसोड़, चंद्रशेखर भिवागड़े, मुनीश्वर बोदलकर, प्रीतम भोंडेकर, किशोर राऊत, रोहित गाडवे, योगेश शेंडे, योगेश गायधने, नदीम शेख, इमरान पटेल, प्रकाश गभने, अनिरुद्ध गाडवे, अतुल मिरासे और कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नगर परिषद भंडारा में जनसुनवाई का सफल प्रदर्शन

> नागरिकों ने लिखित और मौखिक रूप से रखीं समस्याएं

भंडारा.

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद चंद्र पवार द्वारा नगर परिषद भंडारा के सामने महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष आयोजित विशाल जनसुनवाई प्रदर्शन उत्साह और शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

इस प्रदर्शन में उपस्थित नागरिकों ने लिखित और मौखिक रूप से अपनी समस्याए दर्ज कराईं। इसके बाद, प्रतिनिधिमंडल ने इन समस्याओं को नगर परिषद भंडारा के प्रशासक और मुख्य अधिकारी के ध्यान में लाया। संबंधित अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लिया और अपने स्तर पर तुरंत समाधान का आश्वासन दिया। यदि इसके बाद भी

समस्या का समाधान नहीं होता है, तो विधानसभा और विधान परिषद में पार्टी विधायकों ने समस्या के समाधान के लिए उचित उपाय करने की घोषणा की। इससे प्रदर्शन में शामिल पदाधिकारियों और आम नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया और जनसुनवाई प्रदर्शन को सफल बताया। जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक चरण भाऊ वाघमारे ने इस आंदोलन को सहज प्रतिक्रिया देने वाले सभी नागरिकों, महिलाओं, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भंडारा जिला और शहर के पदाधिकारियों शरदचंद्र पवार, कार्यकर्ताओं और मीडिया प्रतिनिधियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

यातायात पुलिस ने नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ की कार्रवाई

वर्धा.

9 सितंबर को शाम 7 से 8 बजे के बीच यातायात पुलिस ने बाजार में एक चौपहिया वाहन बोलेरो पिकअप चालक को लापरवाही से वाहन चलाते देखा। इससे यातायात पुलिस को संदेह हुआ कि वह नशे में है। तदनुसार, यातायात पुलिस ने बोलेरो पिकअप वाहन क्रमांक एमएच 32 क्यू 2675 के चालक मनीष मनोहर सहारे नि. वार्ड क्रमांक 13 वर्धा का मेडिकल परीक्षण कराया। डॉक्टर ने प्रमाण पत्र दिया कि चालक नशे में था। तदनुसार, यातायात पुलिस ने उक्त चालक के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की और उक्त वाहन को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत हिरासत में लिया। यह कार्रवाई धारा 139 के तहत की गई है। साथ ही, उक्त चालक

का ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित और रद्द करने का प्रस्ताव आरटीओ कार्यालय को प्रस्तुत किया गया है। सभी वाहन चालकों से अनुरोध है कि वे शराब पीकर वाहन न चलाए, भीड़भाड़ में सड़क पर लापरवाही से वाहन न चलाए। साथ ही दिनांक 13.09.25 को न्यायालय में लोक अदालत का आयोजन किया गया है. जिनके वाहनों पर जुर्माना बकाया है, उनके लिए लोक अदालत में जुर्माना भरकर अपने लंबित मामलों का निराकरण कराए, अथवा वे यातायात शाखा में भी अपने वाहनों पर लगे जुर्माने का भुगतान कर सकते हैं।

अभिभावक शिक्षा संघ की बैठक आयोजित की गई

देसाईगंज.

राजर्षी शाहू महाराज न.प्र. प्रा. विद्यालय, भगतसिंग वार्ड, देसाईगंज विद्यालय में शिक्षकों, अभिभावकों, छात्रसंघ की बैठक. भाग्यश्री सतीश सोरते, बैठक उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में निम्नलिखित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई . छात्र आधार अद्यतन के लिए नियोक्ताओं को मार्गदर्शन दिया गया। स्कूल और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों का रजिस्टर विषय संख्या 1- छात्रों के अध्ययन की समीक्षा। हर महीने, उनके बच्चे की पढ़ाई की प्रगति एक साक्ष्य का रिकॉर्ड बन गई है, और हर माता- पिता इसकी समीक्षा या जांच कर सकते हैं। सामाजिक सहयोग स्कूल को दान के रूप में उपहार देने का एक

स्वैच्छिक कार्य है।

अनुरोधित विषय संख्या 50 छात्र सुरक्षा के संबंध में अभिभावक और शिक्षक इस बात की समीक्षा करते रहें कि उनके बच्चे स्कूल परिसर में सुरक्षित हैं या नहीं।

यदि कोई घटना घटती है तो उचित कार्रवाई या अनुवर्ती कार्रवाई की जानी चाहिए और मामले पर चर्चा के बाद उपाय किए जाने चाहिए।

बैठक में पालक ज्यादा संख्या से उपस्थित हुए. सामयिक विषयों पर हास्यपूर्ण चर्चा के बाद चाय-पानी का आनंद लिया गया।

अध्यक्ष ओर शिक्षक माननिय मुख्याध्यापिका वंदना उसेंडी,मनिषा सहारे स्मिता हजारे, दर्शना केंद्रे सर मेश्राम सर की अनुमति से संपन्न हुई।

विश्व साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में रैली का आयोजन

वर्धा.

मातोश्री आशाताई कुणावर कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग की ओर से विश्व साक्षरता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में विद्या विकास संस्था के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. उमेश तुलसकर, उपप्राचार्य डॉ. सपना जयस्वाल, मराठी विभाग प्रमुख प्रा. अजय बिरे तथा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रा. भाग्यश्री साबळे की प्रमुख उपस्थिति रही। इस अवसर पर महाविद्यालय से बालाजी टाउन परिसर में भव्य रैली निकाली गई। स्वयंसेवक विद्यार्थियों ने विभिन्न नारे, सुविचार और घोषवाक्य प्रस्तुत कर साक्षरता के विषय में जनजागृति की। रैली के समापन पर कार्यक्रम का प्रास्ताविक प्रा. प्रतिभा दुबे ने किया। अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य डॉ. उमेश तुळसकर ने विद्यार्थियों को साक्षरता का महत्व समझाया। उपप्राचार्य डॉ. सपना जयस्वाल ने भी विद्यार्थियों को साक्षरता के विषय में मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम का सूत्रसंचालन खेमिका पारखी ने किया जबकि आभार प्रदर्शन श्रद्धा राजुरकर ने किया। कार्यक्रम की सफलता के लिए संपूर्ण प्राध्यापक वृंद एवं विद्यार्थी वर्ग ने विशेष सहयोग किया।

आदर्श शिक्षक एक मित्र की तरह होता है: इमरान राही

> आदर्श शिक्षक मोहन मोहिते सम्मानित

वर्धा.

शिक्षक छात्रों के लिए ईश्वर का विशेष वरदान होते हैं। शिक्षक ही एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण करते हैं। शिक्षकों का समाज और छात्रों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। माता-पिता के जीवन में शिक्षकों का बहुत महत्व होता है, क्योंकि माता-पिता अपने बच्चों के लिए अपने शिक्षकों से बहुत कुछ अपेक्षाएँ रखते हैं। एक आदर्श शिक्षक ढूंढना उतना मुश्किल नहीं है, लेकिन हमें यह जानना होगा कि उसे कहाँ ढूँढा जाए। एक शिक्षक हर किसी के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण होता है। शिक्षक विभिन्न भूमिकाओं में ढल जाते हैं, जब हम दुखी होते हैं, तो वे हमारे मित्र

बन जाते हैं। शिक्षक छात्रों के जीवन पर गहरा प्रभाव डालते हैं और उन्हें आकार देते हैं। एक आदर्श शिक्षक एक मित्र की तरह होता है, यह विचार वरिष्ठ लेखक इमरान राही ने रखे। वे सेंट थॉमस स्कूल द्वारा सत्येश्वर हॉल में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में वर्धा के आदर्श शिक्षक मोहन मोहिते को सम्मानित करते हुए बोल रहे थे। मोहन मोहित पिछले कई वर्षों से शैक्षिक और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं और बोरगाँव मेघे में विभिन्न संस्थाओं और सामाजिक संगठनों से जुड़े रहे हैं और कई गतिविधियों का आयोजन किया है। इस अवसर पर मंच पर हिंगनघाट के कानूनी विशेषज्ञ एड इब्राहिम बक्श आजाद, हिंगनघाट नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष गुड्डू शर्मा, सेंट थॉमस स्कूल की प्रिंसिपल प्रीति सत्यम, निदेशक विजय सत्यम, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता राजू लभाने, साध्वी संघमित्रा आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर एड इब्राहीम बख्श आजाद एवं प्रीति सत्यम ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का प्रारंभ श्रद्धा संत एवं आभार प्रदर्शन वर्षा देशपांडे ने व्यक्त किया।

मोहन मोहिते को सम्मानित करने पर डॉ. प्रदीप कश्यप, प्राचार्य डॉ. राजेंद्र गंजीवाले, एडवोकेट सुनील चौधरी, एडवोकेट असद खान पटेल, मनोज तरारे, सिहान मंगेश भोंगाड़े, सिहान नीलेश राऊत, जयंत उर्फ गुड्डू कावले, विलास कुलकर्णी, जमीर शेख, शंशाक चटारे, कोशी उल्हास वाघ, वेदांत सत्यम, अंकुश गिरदे, एहसान राही आदि ने उन्हें बधाई दी है।

समुद्रपुर में गांजा तस्करों पर छापा

समुद्रपूर.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 9 सितंबर की रात वर्धा की स्थानीय अपराध शाखा की टीम पेट्रोलिंग कर रही थी। इस दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर समुद्रपुर शहर के गणराया नगरी निवासी शंकर चंपतराव डाहाने (आयु 42 वर्ष) के घर पर छापा मारा गया, जहा आरोपी के पास से एक पन्नी में गांजा मादक पदार्थ बरामद हुआ। सदर गांजा माल की सप्लाई करने वाला आरोपी संजय विनायक कोम्पलवार (निवासी कोरा) भी मौके पर मोटरसाइकिल क्र.एमएच 32 एजेड 9690 के साथ मिला। दोनों आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 37 ग्राम गांजा, दो मोबाइल और मोटरसाइकिल सहित कुल 1 लाख 28 हज़ार 240 रुपये कीमत का माल ज़ब्त किया गया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध समुद्रपुर पुलिस थाने में एनडीपीएस क़ानून के तहत अपराध दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक अनुराग जैन, अपर पुलिस अधीक्षक सदाशिव वाघमारे के मार्गदर्शन में स्थानीय अपराध शाखा वर्धा के पुलिस निरीक्षक विनोद चौधरी, उपनिरीक्षक सलाम कुरैशी, पुलिसकर्मी अरविंद येनुरकर, रोशन निंबोळकर, रवि पुरोहित, अक्षय राऊत, अभिषेक नाईक और रितेश गेटमे ने की।

डिजिटल युग में मीडिया साक्षरता आवश्यक : प्रो. के. जी. सुरेश

वर्धा.

भारत पर्यावास केंद्र, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. के. जी. सुरेश ने कहा है कि डिजिटल युग में मीडिया साक्षरता आवश्यक है। वे बुधवार, 10 सितंबर को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के माधवराव सप्रे सभा कक्ष में डिजिटल युग में मीडिया साक्षरता विषय पर विशेष व्याख्यान दे रहे थे। प्रो. के. जी. सुरेश ने कहा कि नेपाल, बांग्लादेश समेत विभिन्न देशों में सोशल मीडिया को लेकर जो हिंसा देखी जाती है, वैसा कभी लोकतांत्रिक देश भारत में नहीं देखा गया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्य भारत में जन जन तक पहुंचा है। पत्रकारिता और साहित्य में पहले बहुत निकटता थी, वह कड़ी आज कमजोर हो रही है। पत्रकारों को भाषा और विश्व की परिस्थिति की समझ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया कोई आंदोलन खड़ा नहीं कर सकता। आंदोलन जनता से बीच से ही निकलता है। नागरिक पत्रकारिता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि नागरिक संवाहक बन सकता है, पत्रकार नहीं। उन्होंने मीडिया में आए बदलाव, असत्य समाचार, डीप फेक जैसी तकनीक का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे समय में मीडिया साक्षरता जरूरी है और इसे विद्यालय एवं विश्वविद्यालयों

के पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाना चाहिए, जिससे सही गलत की पहचान हो सके और समाज में जागरूकता बढ़ सके। इसके लिए राष्ट्रीय मीडिया साक्षरता बोर्ड जैसी एजन्सी बनाए जाने की आवश्यकता पर उन्होंने बल दिया।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का प्रहरी है। वर्तमान समय में सोशल मीडिया समाजशास्त्री की भूमिका में आ गया है। इसने नयी पीढी को साहस दिया है। एक वैकल्पिक मीडिया के रूप में सोशल मीडिया को देखा जा रहा है। हमे इसका प्रयोग मनुष्य के व्यापक हित में करना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों का प्रयोगिक समाचार पत्र 'मीडिया समय' का लोकर्पण किया गया। स्वागत भाषण जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृपाशंकर चौबे ने दिया। संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. रेणु सिंह ने किया तथा सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप वर्मा ने आभार माना। इस अवसर पर अध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बढ़ती उम्र में बदलावों की सही समझ जरूरी: डॉ. अजय लिडबे

हिंगनघाट. विद्या विकास शिक्षा संस्था हिंगनघाट द्वारा संचालित विद्या विकास हाईस्कूल एवं जूनियर कॉलेज हिंगनघाट में उपजिला अस्पताल, हिंगनघाट के माध्यम से डॉ. अजय लिडबे ने विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन किया। 8 सितंबर की रोज़ सोमवार सुबह 11:30 बजे उपजिला अस्पताल के डॉ. अजय लिडबे ने विद्यालय के किशोरवयीन विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने बढ़ती उम्र के अनुसार बच्चों में होने वाले शारीरिक और मानसिक बदलाव, बालिकाओं में आने वाली मासिक धर्म प्रक्रिया, किशोरवयीन जीवन, मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य, नशे के दुष्परिणाम, एचआईवी/एड्स तथा गुड टच और बैड टच जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन किया। इन विषयों पर चर्चा के दौरान विद्यार्थियों को आवश्यक जानकारी प्राप्त हुई, जिससे उन्हें उम्र के साथ होने वाले परिवर्तनों को समझने और अपनाने में आसानी होगी, ऐसा भी उन्होंने बताया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के मुख्याध्यापक नितेश रोडे सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाए एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

फसलों का सर्वे कर किसानों को आर्थिक मदद देने की मांग

> पूर्व विधायक प्रो. राजू तिमांडे

हिंगनघाट.

हिंगनघाट एवं समुद्रपुर तालुका क्षेत्र में हुई भारी फसलों की क्षति का दौरा पूर्व विधायक प्रो. राजू तिमांडे ने किया। इस वर्ष के चालू मौसम में सोयाबीन पर विभिन्न रोगों का प्रादुर्भाव हुआ है, जिससे फसल पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है। केंद्र एवं राज्य सरकार ने इसका सर्वे कर किसानों को आर्थिक मदद देने के साथ-साथ लगातार हो रही बारिश से कपास की फसल भी संकट में आ गई है। इसलिए सर्वेक्षण कर सहायता दी जाए, इस संदर्भ में पूर्व विधायक प्रो. राजू तिमांडे एवं किसानों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा जिलाधिकारी वर्धा को उपविभागीय अधिकारी के माध्यम से निवेदन सौंपा।

हिंगनघाट एवं समुद्रपुर तालुका की कपास और सोयाबीन फसलों की स्वयं खेतों में जाकर पूर्व विधायक प्रो. राजू तिमांडे ने स्थिति का जायजा लिया और किसानों की समस्याओं को समझते हुए शासन को निवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर साहेबराव धोटे, अमोल लाजूरकर, जयप्रकाश चंदेल, मोरेश्वर वाघमारे, प्रकाश कांबळे, देविदास साबळे आदि उपस्थित रहे।

हिंगनघाट तालुका के सोतफळ, बुरकोनी, लाडकी, काजळसरा, नरसाळा, सेलु, मुरपाड, पिंपलगांव, कडाजना, सुलतानपुर, उमरी, सावली (वाघ), बोपापुर, पोहणा, आजनसरा, हिवरा, फुकटा, पिपरी, वणी, जांगोणा, धोची, येरला, वडनेर, सास्ती, हडस्ती, टिवरी पिपरी, धानोरा, शेकापुर, दोंदुडा, बांबर्डा, वाघोली, वेळा, किनगांव आदि तथा समुद्रपुर तालुका के खंडाळा, नारायणपुर, हळदगांव, तांभारी, चाकुर, कांढळी, कानकटी, बरबडी, रामनगर, मदरा, वायगांव गोंड, उमरी, राळेगांव, धामणगांव, कुरसापार, मांडगांव, साखरा, तळोदी, मंगरूळ, ताळगांव, वानरचुआ, रासा गोणसा, पिपरी, पिंपलगांव, कोरा, चिखली, नारायणपुर, खापरी, उसेगांव, चापापुर, गिरगांव, झुनका रूनका, निंभा, कवठा, आरंभा, लोणार, तास, परडा, नंदोरी, वासी, सावंगी झाडे, किन्ही रूनका, नारायणपुर, गणेशपुर आदि क्षेत्रों में सोयाबीन और कपास की फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। इसलिए शासन से मांग की गई है कि सभी फसलों का सर्वे तत्काल करवाया जाए और किसानों को आर्थिक मदद प्रदान की जाए।

सोयाबीन पर येलो मोज़ेक का कहर

चालू हंगाम में सोयाबीन पर 'येलो मोज़ेक' रोग का प्रकोप बढ़ गया है। इसके कारण पत्तिया पीली पड़ रही हैं, लगी हुई फलिया सूखने लगी हैं, दाने सपाट होकर मर चुके हैं। एक एकड़ से एक किलो उपज भी नहीं मिल पाएगी, ऐसी गंभीर स्थिति है। कई किसानों ने तो खेतों में जानवर छोड़ दिए हैं। सोयाबीन किसानों की मुख्य फसल है, ऐसे में दिवाली के समय उनके सामने अंधकारमय स्थिति खड़ी हो गई है। इसी प्रकार, कपास की फसल पर भी लगातार हो रही बारिश का प्रतिकूल असर हुआ है। बॉल्स और पत्ते सड़ने लगे हैं और फसल झड़कर नष्ट हो रही है। सितंबर माह का वर्षा काल कपास की खेती को पूरी तरह प्रभावित कर चुका है।

स्व. सागदेव के अंगदान से तीन को नई जिंदगी

> दिग्गज अधिवक्ता की अंतिम भेंट बनी जीवनदायी

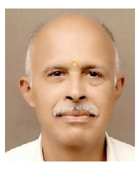

नागपुर.

स्व. ललित गोविंदराव सागदेव, जो नागपुर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता थे, ने अपने निधन के बाद भी तीन मरीजों को नई उम्मीद दी। एक दुखद दुर्घटना में सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण उनका निधन हो गया। इस कठिन समय में उनके परिवार ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए उनके अंगदान के लिए सहमति दी। स्व. सागदेओ अपने दोपहिया वाहन पर सवार होकर अचानक बेहोश होकर दुर्घटना के शिकार हुए। उन्हें मैक्स अस्पताल में डॉ. आदित्य अतल की निगरानी में भर्ती कराया गया, लेकिन चिकित्सकों की हर संभव कोशिश के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

उनके सुपुत्र और अधिवक्ता श्री पार्थ सागदेओ ने तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने मिलकर बिना किसी हिचकिचाहट के अंगदान का निर्णय लिया, जिससे समाज के लिए एक प्रेरणा बने। परिवार ने लीवर, किडनी, हृदय और फेफड़े सहित सभी अंगदान की सहमति दी थी, लेकिन चिकित्सीय और लॉजिस्टिक कारणों से हृदय व फेफड़े नहीं निकाले जा सके। नागपुर ज़ोनल ट्रांसप्लांट कॉर्डिनेशन सेंटर (ज़ेडटीसीसी) के अध्यक्ष डॉ. संजय कोलते और सचिव डॉ. राहुल सक्सेना के नेतृत्व में अंगदान प्रक्रिया को राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुरूप संपन्न कराया गया।

मैक्स अस्पताल की ट्रांसप्लांट प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर सुश्री प्रीति जैन ने परिवार को परामर्श दिया, हालाँकि वे पहले से ही इस नेक कार्य के लिए तत्पर थे। ब्रेन स्टेम डेथ कमिटी के सदस्य डॉ. निलेश अग्रवाल, डॉ. आदित्य अतल, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. अभिषेक बंकर और इंटेंसिविस्ट डॉ. बिपिन झिबकते ने मिलकर स्व. सागदेओ के ब्रेन डेड सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी की। स्व. ललित सागदेओ के परिवार द्वारा किया गया यह निस्वार्थ निर्णय समाज में मानवता और करुणा की अमिट छाप छोड़ता रहेगा। यह प्रेरणादायक कदम हमें यह याद दिलाता है कि जीवन समाप्त होने पर भी जीवन का संचार किया जा सकता है।

लीवर व किडनी से मरीजों को नई उम्मीद

इस मानवता के कार्य के तहत एक लीवर और दो किडनी प्राप्त की गईं। प्राप्त किडनी में से एक किडनी सरस्वती किडनी केयर सेंटर को अलॉट की गई, जहां यह 47 वर्षीय पुरुष मरीज को प्रत्यारोपित की गई। अन्य किडनी और लीवर मैक्स अस्पताल को दिए गए। लीवर को 41 वर्षीय मरीज को, जिसे लिवर सिरोसिस की गंभीर समस्या थी, प्रत्यारोपित किया गया। दूसरी किडनी को 49 वर्षीय महिला मरीज को दी गई, जो लंबे समय से मेंटेनेंस हीमोडायलिसिस पर थी।

गोर सेना ने एसटी वर्ग में शामिल करने की उठाई मांग

नागपुर. राज्यभर में गोर सेना की ओर से बंजारा समाज को अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग में शामिल करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन महाराष्ट्र के प्रत्येक जिले और तालुका से जिलाधिकारी कार्यालयों के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा गया है। ज्ञापन में हैदराबाद गजेटियर का हवाला देते हुए बंजारा समाज को एसटी वर्ग में शामिल करने की मांग की गई है। नागपुर में भी गोर सेना के प्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को यह ज्ञापन सौंपा। गोर सेना ने चेतावनी दी है कि यदि बंजारा समाज को न्याय नहीं मिला, तो राज्यभर में संवैधानिक मार्ग से आंदोलन शुरू किया जाएगा।

> संत ज्ञानेश्वर जयंती पर त्रिदिवसीय ज्ञानपर्व

'अमृतमंथन व्याख्यानमाला' अब महेश भवन में

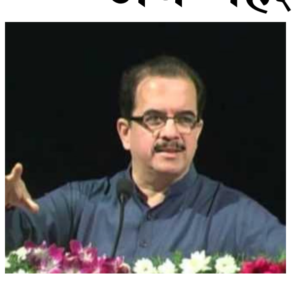

अमरावती.

अमरावती के सांस्कृतिक जीवन का मानबिंदु मानी जाने वाली और हर वर्ष रसिकों की ज्ञानपिपासा शांत करणारी 'अमृतमंथन व्याख्यानमाला' इस वर्ष और अधिक भव्य रूप में आयोजित की जा रही है। तुषार भारतीय मित्र मंडल द्वारा आयोजित यह व्याख्यानमाला पूर्व निर्धारित साईरत्न लॉन, साईनगर में होनी थी, किंतु लगातार बरसात को देखते हुए अब यह आयोजन महेश भवन, बडनेरा रोड, अमरावती में किया जाएगा। सन 2025 संतश्रेष्ठ ज्ञानेश्वर माऊली की 750वीं जयंती का वर्ष है। मात्र 21 वर्ष की आयु में सन् 1296 में आलंदी (इंद्रायणी तट) पर संजीवन समाधि लेने वाले माऊली ने अपने अल्पायु में ही महान ग्रंथ 'ज्ञानेश्वरी' की रचना की। इस ग्रंथ की अंतिम नौ ओवियों का 'पसायदान' विश्वकल्याण की प्रार्थना माना जाता है। इसी 'पसायदान' पर चिंतन, मनन और व्याख्यान करने हेतु इस व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया है. इस त्रिदिवसीय व्याख्यानमाला में प्रसिद्ध वक्ता संजय उपाध्ये अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। तीनों दिनों के विषय इस प्रकार होंगे –12 सितम्बर: 'आता विश्वात्मकें देवे', 13 सितम्बर: 'जो जे वांछील', 14 सितम्बर :'जिंकलो असे म्हणा' पूरी व्याख्यानमाला में वे संत ज्ञानेश्वर के विचारविश्व, उनके सार्वकालिक संदेश और 'पसायदान' में व्यक्त वैश्विक दर्शन का सुंदर विवेचन करेंगे। व्याख्यानमाला के मुख्य आयोजक तुषार भारतीय ने जानकारी देते हुए कहा –अमृतमंथन व्याख्यानमाला केवल सांस्कृतिक पर्वणी नहीं, बल्कि विचार–प्रबोधन का महोत्सव है। संत ज्ञानेश्वर माऊली द्वारा दिया गया 'पसायदान' विश्वशांति का अमूल्य संदेश है। इस त्रिदिवसीय मंथन से हम सबको उस संदेश का सार आत्मसात कर जीवन में उतारना चाहिए, यही हमारी अपेक्षा है।' इस त्रिदिवसीय व्याख्यानमाला के लिए तुषार भारतीय मित्र परिवार ने अमरावतीकरों सहित आसपास के क्षेत्रों के सभी रसिकों से आवाहन किया है कि 'अपने परिवार सहित बड़ी संख्या में उपस्थित होकर संत ज्ञानेश्वर माऊली के विचारधारा से एकरूप हों।'

अवैध ले-आउट का गोरखधंधा, महिला मजदूरों से करोड़ों की ठगी

शिवसेना ने दिया तहसीलदार को ज्ञापन

कामठी.

तहसील में अवैध ले-आउट और भूखंड बिक्री के नाम पर गरीब और मेहनतकश लोगों से लाखों-करोड़ों की ठगी का मामला सामने आया है। हाल ही में, शिवसेना युवासेना (उबाठा) नागपुर ग्रामीण के उपजिला प्रमुख पवन अवधेशजी शर्मा ने तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपकर 'स्वास्तिक लैंड डेवलपर्स' नामक कंपनी पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

युवासेना के मुताबिक, मौजा गादा, खसरा क्रमांक 275/1/अ पर स्थित एक कथित ले-आउट में 'स्वास्तिक लैंड डेवलपर्स' के संचालक जयकरण और उनके साथियों ने साल 2019 से भूखंड बेचने का प्रचार शुरू किया था। उन्होंने 200 प्रति वर्गफुट की दर से किश्तों पर प्लॉट देने का विज्ञापन दिया। इस झांसे में आकर कांतिबाई घनश्याम नेवरा सहित करीब 45 महिला मजदूरों ने अपनी मेहनत की कमाई इन डेवलपर्स को सौंपी। उन्होंने किश्तों में लाखों रुपये का भुगतान किया, लेकिन आज तक न तो उन्हें उनके भूखंड की रजिस्ट्री मिली है और न ही कब्ज़ा पत्र। जब इन पीड़ित महिलाओं ने जमीन के दस्तावेज (सातबारा) की जांच की, तो पता चला कि उनकी खरीदी हुई जमीन पहले ही किसी और व्यवसायी को बेची जा चुकी है। यह सीधा-सीधा गरीब और भोली-भाली महिला मजदूरों के साथ किया गया धोखा है। इस धोखाधड़ी के खिलाफ पवन शर्मा ने तहसीलदार को दिए अपने ज्ञापन में कई महत्वपूर्ण मांगें रखी हैं।

उन्होंने मांग की है कि:'स्वास्तिक लैंड डेवलपर्स' सहित कामठी तहसील के सभी अवैध ले-आउट की तुरंत जांच की जाए और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो। पीड़ित महिला मजदूरों को या तो उनके भूखंड की रजिस्ट्री दिलवाई जाए या फिर उनकी जमा की गई पूरी राशि ब्याज सहित वापस दिलाई जाए। भविष्य में इस तरह के फर्जीवाड़े को रोकने के लिए प्रशासन ठोस कदम उठाए।

फर्जी डेवलपर्स के खिलाफ युवासेना की चेतावनी

युवासेना ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन इस मामले में जल्द ही कोई ठोस कार्रवाई नहीं करता है, तो शिवसेना युवासेना नागपुर ग्रामीण की ओर से व्यापक आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। यह मामला एक बार फिर उजागर करता है कि कैसे कुछ फर्जी डेवलपर्स गरीबों और मध्यमवर्गीय परिवारों को उनके सपनों का घर देने के नाम पर लूट रहे हैं। इस मौके पर युवासेना उपजिला प्रमुख नागपुर ग्रामीण पवन अवधेश शर्मा, कामठी शहर प्रमुख रितेश केझरकर, माथाडी कामगार सेना नागपुर ज़िला के शरद भूषणवार सहित मंगेश खंडारे, वीरेंद्र पाटील, अमोल मोहोड़, नत्थूजी गिरे आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्रमुखता से उपस्थित रहे।

शुभांक		
श्रीदेवी	379-9	458-7
श्रीदेवी नाईट	468-8	-

नीलकंठ महाविद्यालय में 'पॉक्सो कानून व बाल यौन शोषण प्रतिबंध' विषय पर कार्यशाला

अमरावती. अमरावती में सुखाय फाउंडेशन की घरकुल इंडस्ट्रीज प्रायोजित सेफ अमरावती फॉर हर परियोजना अंतर्गत आज नीलकंठ महाविद्यालय में 'पॉक्सो कानून व बाल यौन शोषण प्रतिबंध' विषय पर एक महत्त्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला बाल संरक्षण अधिकारी अजय डबले, पुलिस विभाग दामिनी पथक की भाग्यश्री मैडम, तथा स्थानीय समिति जिला अधिकारी कार्यालय अमरावती की अध्यक्षा मा. सारिका वानखड़े उपस्थित रहीं। मान्यवरों ने पॉक्सो कानून की विस्तृत जानकारी दी और बालकों की सुरक्षा के लिए समाज को निभानी चाहिए ऐसी जिम्मेदारी पर जोर दिया। चर्चा सत्र में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महत्त्वपूर्ण प्रश्न पूछे। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों में बाल सुरक्षा के प्रति सजगता विकसित हुई। महाविद्यालय के प्राचार्य सुभाष इंगळे ने मान्यवरों का स्वागत किया और सभी उपस्थितों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम सफल बनाने में प्रशिक देवरे, दामिनी गादगे और पल्लवी गडलिंग का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, प्राध्यापक और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।